Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्षः 2 अंकः 205 , 31 दिसम्बर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्स, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

अजीत दुबे बने साहित्य अकादमी के सदस्य

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मैथिली-भोजपुरी अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष अजीत दुबे को साहित्य अकादमी की नवगठित जनरल काउन्सिल का सदस्य चयनित किया गया है। श्री दुबे का कार्यकाल पांच वर्षो का होगा। सनद रहे कि साहित्य अकादमी की जनरल काउन्सिल में सभी राज्यों के द्वारा नामित व्यक्ति एवं विभिन्न वरिष्ठ भाषाविद् इत्यादि ही चयनित होते हैं। अजीत दुबे को दिल्ली सरकार की ओर से नामित किया गया है। इसके अलावा राष्ट्रपति आठ अन्य विशिष्ठ विद्वानों को भी इसके लिए नामित करते हैं। साहित्य अकादमी की जनरल काउंसिल ही साहित्य अकादमी पुरस्कारों के लिए उपयुक्त व्यक्तियों का चयन तथा अकादमी अध्यक्ष का चुनाव करती है।

हाईकोर्ट ने नगर निगमों पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नगर निगम और सरकारी स्कूलों में कक्षा आठ तक बच्चों को नहीं रोकने की नीति से उत्पन्न चिंताजनक स्थिति को लेकर दायर जनहित याचिका पर नगर निगमों को जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने अभी तक ऐसा करने में विफल रहने के कारण इन नगर निगमों पर ढाई-ढाई हजार रपए का जुर्माना भी किया है। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम और सरकारी विद्यालयों में कक्षा आठ तक किसी भी बच्चे को नहीं रोकने की नीति से ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जिसमे 70 फीसदी से भी अधिक बच्चे हिंदी और अंग्रेजी पढ़ नहीं पाते हैं। इस याचिका में दलील दी गयी है कि शिक्षा के अधिकार कानून के तहत इस नीति की राष्ट्रीय राजधानी के इन विद्यालयों द्वारा गलत व्याख्या करने के फलस्वरूप यह स्थिति पैदा हुई है। इस मुद्दे की गंभीरता का संज्ञान लेते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने निगमों पर 2500-2500 रपये का जुर्माना लगाते हुये कहा कि फरवरी, 2016 से बार-बार मौका दिये जाने के बावजूद वे अपना जवाब दाखिल करने में विफल रहे। कक्षा छठी से आठवीं तक के बच्चों के बहुत ही खराब शिक्षण स्तर का जिक्र करते हुए सेंटर फॉर सिविल सोसायटी की जनहित याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2014 में गैर सरकारी संगठन प्रथम और दिल्ली सरकार के सर्वेक्षण में पता चला कि सरकारी विद्यालयों में छठी से आठवीं कक्षा तक के 62 फीसदी से अधिक बच्चे अंग्रेजी में एक वाक्य तक नहीं पढ़ सकते और 72 फीसद से अधिक बच्चे भाग नहीं कर सकते।

छात्रा के अपहरण की कोशिश

विरोध करने पर पीड़िता के पिता के सिर पर वार कर किया जख्मी

नई दिल्ली। गोविंदपुरी थाना इलाके में ट्यूशन पढ़कर लौट रही छात्रा को अगवा करने की कोशिश कर रहे चार लड़कों का विरोध कर अपनी बेटी को उनके चंगुल से छुड़ाने की कोशिश करना पीड़ित छात्रा के पिता को भारी पड़ गया। इस दौरान बदमाशों ने लोहे के रॉड से पीड़िता के पिता के सिर पर वारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य दोनों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि विगत 26 दिसम्बर को ट्यूशन के लिए पहुंची तो पता चला कि कोचिंग सेंटर बंद था। जहां से घर लौटने के दौरान गली में ही रहने वाले अंकित ने उसे अपने पास बुलाया। हालांकि वह उसके पास जाने की बजाए अपने घर जाने लगी। तभी एक ऑटो में सवार चार लड़के वहां पहुंचे, जिसमें फारूख नाम का लड़का भी था। उनके आते ही पीछे से अंकित ने छात्रा का मुंह बंद कर ऑटो में बैठा लिया और गर्दन पर चाकू लगाकर साथ चलने की धमकी भी दी। अंकित छात्रा का एमएमएस बनाने की धमकी देने लगा। तभी वहां पीड़िता के माता पिता भी आ गए।

बीमारी से तंग शिक्षक ने लगाई फांसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योतिनगर में एक शिक्षक ने बीमारी से तंग आकर फ ांसी लगा ली। मृतक की शिनाख्त राजवीर सिंह (41) के तौर पर हुई। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। राजवीर पत्नी अंजू, बेटे ईशू और गर्वित के साथ सी-185, गली नंबर-4, दुगार्पुरी में रहते थे और चिरोड़ी गांव स्थित सरकारी स्कूल में आर्ट्स के शिक्षक थे। पुलिस को दिए बयान में परिजनों ने बताया कि वह पिछले दो महीने माह से बीमार चल रहे थे।

मंदिर-विहार नहीं पुस्तकालयों की स्थापना से विश्व शांतिः दलाई लामा

सारनाथ (वाराणसी)। शांति की कामना से दुनिया भर में मंदिरों-विहारों का निर्माण किया जा रहा है। मैं कहता हूं कि इसकी जगह पुस्तकालयों की स्थापना होनी चाहिए। विश्व में शांति केवल शिक्षा से संभव है। भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्षों से मानव मन के रूपांतरण की दिशा में कार्य किया है। आज संपूर्ण विश्व को इसी भारतीय ज्ञान-विज्ञान की आवश्यकता है।

यह कहना है तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा का। वे शनिवार को सारनाथ स्थित तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान में भारतीय दार्शनिक प्रस्थानों एवं आधुनिक विज्ञान में मन की अवधारणा विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। परम पावन ने कहा कि बीती सदी में दुनिया भर के वैज्ञानिकों का शोध वाह्य जगत की खोज पर केंद्रित था। हाल के कुछ वर्षों में पाश्चात्य देशों के वैज्ञानिकों ने भी मनुष्य की आंतरिक प्रवृत्तियों पर शोध को प्रमुखता देनी शुरू की है। भारतीय ज्ञान विज्ञान में सदा से इसी चिंतन को महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध, लड़ाई, झगड़ा, ये सभी शब्द कहीं न कहीं से हिंसा के परिचायक हैं। इन शब्दों की जड़ में क्रोध और घृणा का वास है। हमें अपने मन-मस्तिष्क में प्रेम और करुणा की स्थापना करनी होगी तभी संसार में शांति की स्थापना संभव है।

जब तक हमारा अंतर्मन शुद्ध और शांत नहीं होगा तब तक हम बाहरी जगत में शांति की स्थापना और अनुभव से वंचित रह जाएंगे। हमनें अपनी बुद्धि और अपने ज्ञान का सही दिशा में उपयोग नहीं किया। ग्लोबल वार्मिंग भी इसी का परिणाम है। हमारी नकारात्मक सोच ने संपूर्ण ब्रह्मांड को अव्यवस्थित किया है। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में रहते हों लेकिन मानवता के नाते हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। दुनिया के किसी भी हिस्से में कोई दुखी है तो हमें उसके लिए प्रार्थना करनी चाहिए। दुनिया के विभिन्न देशों से आए वैज्ञानिकों और संतों ने भी इस गूढ़ विषय पर अपना-अपना पक्ष रखा। सम्मेलन में विषय प्रवर्तन करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो. गेशे नवांग समतेन ने कहा कि यह सम्मेलन अनूठा है। यह पहला अवसर है जब भारतीय ज्ञान परंपरा की सांख्य, वेदांत, न्याय, वैशेषिक, बौद्ध और जैन परंपराओं के विद्वानों और साधकों के बीच एक मंच पर संवाद हो रहा है। आधुनिक विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा में मन की अलग-अलग अवधारणाओं पर वृहद मंथन किया जा रहा है।

इस सत्र में मुंबई की प्रो. शुभदा जोशी ने सांख्य दर्शन में मन की अवधारणा, कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय की प्रो.रूपा बंधोपाध्याय ने अद्वैत दर्शन में मन और अहं के विश्लेषण पर आधारित शोध पत्र प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र का संचालन अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रो. जोश केब्जन ने किया।

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. एसआर. भट्ट के संचालकत्व में हुए दूसरे सत्र में तीन विषय विशेषज्ञों ने शोध पत्र पढ़े। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. सच्चिदानंद मिश्र ने न्याय दर्शन में समष्टि मन की अवधारणा, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . आत्मप्रियानंद ने बौद्ध, योग और वेदांत दर्शन में मन की अवस्थाओं तथा प्रो. भागचंद्र जैन ने जैन दर्शन में मन के स्वरूप एवं कार्य विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

पिता की हालत गंभीर

सड़क हादसे में सेना की मेजर महिला की मौत,

बरेली। रामपुर में नेशनल हाइवे पर हुए हादसे में सेना की मेजर और उसके रिटायर्ड सूबेदार मेजर पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। बरेली के सेना अस्पताल में इलाज के दौरान मेजर ने दम तोड़ दिया जबकि उसके पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। मेजर अपनी छुट्टियां खत्म करने के बाद रांची लौट रही थी। देर रात पोस्टमॉर्टम कराने के बाद पुलिस और सेना ने सुमन का शव उनके परिवारवालों को सौंप दिया।

उत्तराखंड़ के खटीमा स्थित टिगरी गांव निवासी उमेश सिंह मेहरा की बेटी सुमन मेहरा (26) आर्मी में मेजर के पद पर तैनात थीं। उनकी तैनाती झारखंड के राची में थी। सुमन मेहरा 12 दिन की छुट्टी आई थी। वह शुक्रवार सुबह कार से पिता के साथ दिल्ली जा रही थी। शनिवार को उनको दिल्ली से फ्लाइट लेकर रांची पहुंचना था। जब वह लोग रामपुर के पास पहुंचे तो उनकी कार पेड़ से जा टकराई। इससे सुमन उनके पिता उमेश और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए बरेली के कैंट स्थित सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान सुमन की मौत हो गई। जबकि उनके पिता के सिर में चोट लगने से कोमा में चले गए और चालक की हालत भी गंभीर बनी हुई है। हादसे के बारे में जानकारी होने पर सुमन के परिवार वाले खटीमा से बरेली आ गए। परिवार वालों के बरेली आने के बाद सेना के अफसरों ने रात में ही सुमन का पोस्टमॉर्टम कराया।

दिल्ली के मेजर से हुई थी सगाई

परिजनों ने बताया कि सुमन की सगाई कुछ समय पहले दिल्ली निवासी मेजर के साथ हुई थी। जल्द ही उन दोनों की शादी की तैयारी चल रही थी। ऐसे में हादसा होने से दोनों परिवारों में कोहराम मच गया है। सुमन परिवार में बड़ी बेटी थी। उसका एक छोटा भाई है। पिता ने बेटी को नाजों से पाला था। वह उसे दिल्ली तक छोड़ने जा रहे थे। मगर होनी को कुछ और ही मंजूर था। सुमन का शव रामपुर से सेना अस्पताल पहुंचा तो सेना के अफसर भी गमगीन हो गए।

गुजरातः 'नाखुश' उपमुख्यमंत्री ने अभी नहीं संभाला विभागों का कामकाज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में नई सरकार का शपथ ग्रहण होने के कुछ दिन बाद भी उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने उनको आवंटित विभागों का कार्यभार नहीं संभाला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सूत्र ने बताया कि उन्होंने खुद को आवंटित विभागों को लेकर अपनी नाराजगी के बारे में पार्टी नेतृत्व को अवगत करा दिया है। राज्य की पिछली सरकार में पटेल के पास वित्त और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग थे लेकिन इस बार उन्हें सड़क एवं भवन और स्वास्थ्य जैसे विभाग आवंटित किये गये है। गुजरात में भाजपा सरकार के गठन के बाद गत 28 दिसम्बर को विभागों के बंटवारे में पटेल को इन दो विभागों के अलावा चिकित्सा शिक्षा, नर्मदा, कल्पसार और राजधानी परियोजना का प्रभार भी दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने आज तक इन विभागों का प्रभार नहीं संभाला है। इस बार वित्त मंत्रालय सौरभ पटेल को आवंटित किया गया है जबकि गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शहरी विकास विभाग खुद के पास ही रखा है। पटेल की पार्टी के साथ ''नाखुशी के बारे में किये गये सवाल पर रूपाणी बिना कोई जवाब दिये चले गये।

गुरूवार को विभागों के बंटवारे के बाद नितिन पटेल मीडिया ब्रीफिंग में कुछ नहीं बोले थे और जल्दी चले गये थे। उस समय रूपाणी ने कहा था, ''यह सच नहीं है कि वित्त विभाग संभालने वाले मंत्री कैबिनेट में नम्बर दो है।

नितिन पटेल हमारे वरिष्ठ नेता है और वह नम्बर दो बने रहेंगे।

सड़क हादसे में बसपा जिलाध्यक्ष के चालक सहित दो की मौत

आगरा। कोहरे की चादर से शनिवार सुबह दिनचर्या बिगड़ दी। यातायात बुरी तरह से प्रभावित रहा। इससे कई जगह हादसे हुए। एक्सप्रेस-वे पर टप्पल इलाके में वाहनों के भिड़ने से मांट टोल कर करीब एक घंटे तक यातायात ठप रहा। इससे पूर्व हादसों में एक्सप्रेस वे पर सिपाही घायल हो गया। एक अन्य हादसे में एक की मौत हो गई। वहीं तीन गंभीर घायल हो गए। शनिवार को सुबह घने कोहरे के चलते एक्सप्रेस वे और हाईवे पर वाहनों की गति मंथर हो गई। एक्सप्रेस-वे पर सुबह साढ़े पांच बजे टप्पल इलाके में वाहनों के भिड़ने की सूचना मिलते ही जाम जैसे हालत हो गए तो एक्सप्रेस वे प्रशासन ने मांट टोल पर सुबह के करीब साढ़े सात बजे वाहनों को रोक दिया। इससे राहगीरों को असुविधा हुई। वहीं टोल पुलिस भी वाहनों को रोकने लगी। इस दौरान कोहरे में कार की टक्कर से टोल चौकी पर तैनात सिपाही विजय कुमार घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके पैर में फ्रेक्चर हुआ बताया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कोहरे के दौरान कोसीकलां में पुल के पास सड़क पर टेंपो खड़ा कर चालक सवारी भर रहा था। इसी दौरान टेंपो में दिल्ली की ओर से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी।

थाना प्रभारी निरीक्षक उदयवीर सिंह मलिक ने बताया कि टक्कर से टेंपो सवार कमला नगर निवासी युवक राधाचरन की मौत हो गई। वह छाता में बारबर की दुकान पर काम करने जा रहा था। वहीं दो अन्य घायल हो गए। इसके अलावा सौंख रोड पर लालपुर नहर पुल के पास ट्रक की टक्कर से सुबह करीब आठ बजे सीमेंट रोड, कस्बा सौंख निवासी बाइक सवार डॉ.विपिन गंभीर रूप से घायल हो गए।

चौकी प्रभारी सौंख राकेश कुमार ने घायल को नयति अस्पताल भेजा और दोनों वाहनों को मार्ग से हटवा कर यातायात सामान्य करवाया।

दिल्ली एम्स की क्षमता की जाएगी दोगुनी

स्वास्थ्य विभाग ने तैयार किया खाका चिकित्सीय सेवाएं एक नजर में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय देश के अति प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में शुमार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में बढ़ते रोगियों के दबाव को सामान्य करने के लिए स्वास्थ्य योजनाओं का दोगुना विस्तार करने की योजना तैयार कर ली है। तैयार खाका के तहत इमरजेंसी, सीसीयू, आईसीयू, आर्थो, सर्जरी, सामान्य वार्ड्स, वीआईपी विंग, कैंसर, केंद्रीय भर्ती कार्यालय, आईआरसीएच, पेसेंट ओपीडी ब्लाक, इनडोर आउटडोर ब्लाक आदि का विस्तार करना शामिल है।

नए साल के अंत तक बनने की उम्मीद : मरीजों की परेशानियों को देखते हुए एम्स की क्षमता दिसम्बर 2018 के अंत तक दोगुनी की जाएगी तथा राज्यों में स्थित एम्स की गुणवत्ता को भी दिल्ली जैसा करने का प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डा. जगदीश प्रसाद के अनुसार मरीजों की परेशानियों को देखते हुए सरकार चिकित्सा क्षेत्र में सुधार के भरपूर प्रयास कर रही है और इस कड़ी में एम्स की क्षमता में दुगनी की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली एम्स के बैडों की संख्या बढ़ाया जाएगा। सरकार चिकित्सा क्षेत्र में सुधार के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों की संख्या के बोझ के मामले में सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया जैसे अस्पतालों की स्थिति भी एम्स जैसी ही है और सरकार बोझ तथा गुणवत्ता को संतुलित करने के प्रयास कर रही है।

मिलेंगी जेनरिक दवाएं : उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों की मनमानी पर नियंतण्ररखने के लिए केंद्र के क्लीनिकल प्रतिष्ठान कानून को अनुमोदित करना होगा। सरकार लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य बीमा और स्वास्थ्य आश्वासन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि तीन हजार जन औषधि केंद्र बनाने का प्रस्ताव है जहां जेनिरक दवाएं मिलेंगी।

देश में 17 नए एम्स और 20 कैंसर संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया अन्तिम चरण में :

देश में 17 नए एम्स और 20 कैंसर संस्थानों की स्थापना की प्रक्रिया अन्तिम चरण में हैं। पूरी तरह चालू होने के बाद इन नए एम्स संस्थानों में 16,300 से ज्यादा अतिरिक्त बिस्तर उपलब्ध होंगे। 50 ''टर्शियरी कैंसर केयर सेंटर' भी स्थापित किए जा रहे हैं। नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, झज्जर (710 बिस्तर) और चित्तरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट, कोलकाता के दूसरे परिसर की भी स्थापना की जा रही है।

यह भी : इसके अलावा देश के 70 मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉकों की स्थापना की जा रही है और 58 जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में उन्नयन किया जा रहा है। मिशन इंद्रधनुष, कायाकल्प, अमृत जैसी नई पहलों के लिए उचित जमीनी कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा इरादा अगले तीन से चार साल तक गैर-संचारी रोगों के लिए व्यापक मॉडल की दिशा में काम करने का है और इसके लिए एक वृहद जागरु कता अभियान की योजना बनाई जा रही है।

दुष्यंत कुमार एक मात्र कवि थे जिन्होंने खुलकर इमरजेंसी के विरोध में लिखा में लिखा था

जब कमलेश्वर की मदद के लिए दुष्यंत ने दी अपनी गजल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब 70 के दशक में देशभर के कवि और शायर सरकार का महिमा मंडन कर रहे थे, तब दुष्यंत कुमार एक मात्र कवि थे जिन्होंने खुलकर इमरजेंसी के विरोध में लिखा। अगर वो आज होते उनकी उम्र 84 साल होती। आज दुष्यंत की पुण्य तिथि है। वो 42 साल की उम्र में ही दुनिया को छोड़ गए। उनका निधन 30 दिसम्बर 1975 को भोपाल में हुआ।

दुष्यंत की नज़र उनके युग की नई पीढ़ी के गुस्से और नाराज़गी से सजी थी। यह गुस्सा और नाराज़गी उस अन्याय और राजनीति के कुकर्मों के खि़लाफ़ नए तेवरों की आवाज़ थी, जो समाज में मध्यवर्गीय झूठेपन की जगह पिछड़े वर्ग की मेहनत और दया की नुमानंदगी करते थे।

दुष्यंत का 1 सितंबर 1933 को जन्म उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के ग्राम राजापुर नवादा में हुआ। उन्होंने इलहाबाद विश्व विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद आकाशवाणी भोपाल में असिस्टेंट प्रोड्यूसर के रूप में नौकरी करने लगे और बाद में प्रोड्यूसर पद पर तैनात हो गये।

इस दौरान उन्होंने जन जागरण के खिलाफ कई गजलें लिखीं। वो आम बोलचाल की भाषा में लिखते थे, जो हर साधारण व्यक्ति के समझ में आ जाती थी। जिसकी कलम ने हुकूमतों से करवाए थे सजदे, ऐसे महान कवदिुष्यंत कुमार को भूल गए अपने दुष्यंत के बहुत ही करीबी दोस्त कमलेश्वर थे। इन दोनों की मुलाकात इलहाबाद में हुई थी। इन दोनों की दोस्ती काफी मशहूर थी। लिहाजा एक प्रसंग का जिक्र करना जरूरी है। बांदा में कवि सम्मेलन का आयोजन था। दुष्यंत कुमार ने अपना गीत कमलेश्वर को पढ़ने के लिए दे दिया। मित्र को पचास रूपये मिल जाये इसलिए कहानीकार कमलेश्वर कवि सम्मेलन में सस्वर गीत पढ़ गए। परंतु मदद एक तरफ ा नहीं रही। दुष्यंत को भी एक बार पांच सौ रूपये की जरूरत थी। उन्होंने प्रकाशक से अर्थशास्त्र की पुस्तक अनुवाद के लिये ले ली। साथ ही रूपये भी एडवांस ले लिये पुस्तक के अनुवाद का कार्य कमलेश्वर को सौंपकर निश्चिंत होकर गायब हो गये।

कथाकार कमलेश्वर, दुष्यंत के बहुत ही करीबी दोस्त थे और बाद में समधि बन गए। कमलेश्वर के यहां दुष्यंत की आगवानी व्यंग्य विनोद के साथ होती थी। एख बार दुष्यंत उनके घर पहुंचे। गले लगाकर कमलेश्वर ने अपनी पत्नी शान्ता वर्मा से कहा, जाओ शान्ता जूते पानी में भिगा दो। यह सुनकर शान्ता आश्चर्य में पड़ गईं और उनके चेहरे पर सवालिया निशान साफ झलक रहा था। तब कमलेश्वर बोले, साले को मारने के लिए, बिना बताए चला आता है। पहले से कोई खोज खबर ही नहीं रहती है।

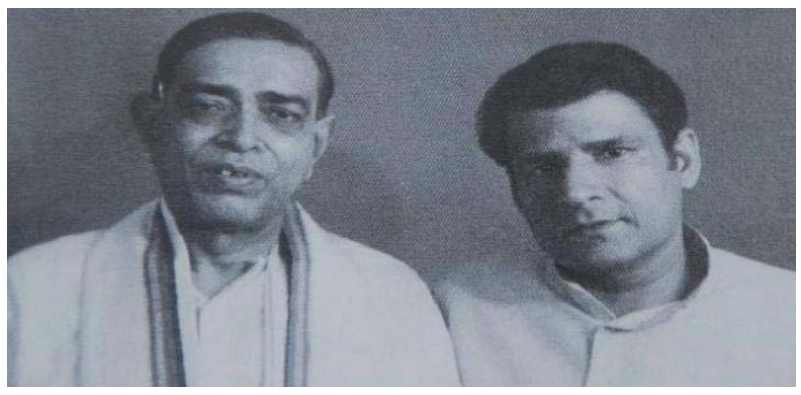

दुष्यंत की सबसे चर्चित गजल हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए। आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी, शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए। हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में, हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, सारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,

हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

मेरा नजरिया यह है कि अगर आपको इंद्रधनुष चाहिएतो बरसात की बौछार सहन करनी होगी। डॉली पॉर्टन

क्रांतिकारी कदम

मुस्लिम महिलाओं की आजादी के लिए क्रांतिकारी कदम उठाते हुए एक साथ तीन तलाक की बुरी, अमानवीय और आदिमकालीन प्रथा को आपराधिक घोषित करने वाला मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण विधेयक, 2017 लोक सभा में ध्वनिमत से पारित हो गया। विधेयक प्रावधान करता है कि इस्लाम का कोई भी अनुयायी अपनी पत्नी को एक बार में तीन तलाक किसी भी माध्यम (ईमेल, व्हाट्सएप और एसएमएस) से देगा तो उसे तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने बीते अगस्त में मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ सदियों से चली आ रही उस अमानवीय और क्रूर प्रथा को असंवैधानिक ठहराते हुए सरकार से इस संबंध में कानून बनाने का आदेश दिया था। क्या यह अपने आप में विरोधाभासी नहीं है कि इस तरह के प्रगतिशील कदम की अपेक्षा कांग्रेस-वामपंथियों जैसी पार्टियों से थी? लेकिन दक्षिणपंथी और यथास्थितिवादी समझी जाने वाली भाजपा मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षक बनकर सामने आई। हालांकि इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। सचाई तो यह है कि सामाजिक बुराइयों का अंत भी आखिर इसी जरिए से होता रहा है। अचरज इस बात पर है कि विधेयक का सर्वाधिक विरोध उन दलों ने किया जो सामाजिक न्याय के पैरोकार होने का दावा करते हैं। इस क्रम में लोक सभा में राजद और बीजद का विरोध और टीएमसी की चुप्पी के पीछे सिवाय वोटों की राजनीति के दूसरी दृष्टि नहीं है। दरअसल, कट्टरपंथी, रूढ़िवादी और यथास्थितिवादियों की राजनीतिक दुकान किसी भी प्रगतिशील कदम के विरोधपर ही चलती है। इनके सिवाय सभी ने विधेयक का समर्थन किया है। सच तो यह है कि यह विधेयक जिनके हक में है, जब उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की है, तो बाकी लोगों के विरोधका कोईमतलब नहीं रह जाता। कांग्रेस समेत कुछ अन्य राजनीतिक दलों की आपत्ति विधेयक के सजा वाले प्रावधान से संबंधित है। सजा का प्रावधान निरोधक का काम करेगा। फिर भी सजा की मियाद और इस कानून को लागू करने की राह में आने वाली अड़चनों पर सरकार को विचार करना चाहिए। बहरहाल, सरकार के इस ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम का स्वागत करना चाहिए। इसे हिन्दू-मुसलमान वोट की सियासत से देखने के बजाय सिर्फ महिला अधिकार की दृष्टि से देखने की जरूरत है।

बैकिंग बदल रही है

आज दरें बदल रही हैं। बैकिंग बदल रही है। आम आदमी की समझ में सब कुछ नहीं आ रहा है। नासमझी या कम समझी के चलते उसकी जेब पर चपत लग रही है। अभी ही लघु बचत की ब्याज दरों में दशमलव 20 की कमी की गयी यानी पब्लिक प्रॉवीडेंट फंड पर जो ब्याज सालाना 7.8 प्रतिशत था, अब घटकर 7.6 प्रतिशत रह जायेगा। किसान विकास पत्र पर ब्याज 7.5 प्रतिशत था, यह घटकर सालाना 7.3 प्रतिशत रह जायेगा। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पर जो ब्याज दर 7.8 प्रतिशत थी, वह घटकर 7.6 प्रतिशत हो जायेगी। यानी आम आदमी ब्याज से कम कमा पायेगा। पर आफतें सिर्फइतनी नहीं हैं। बैंक उपभोक्ताओं से तरह-तरह से वसूली करते हैं। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अनुमान के मुताबिक 2017-18 के दौरान करीब 2000 करोड़ रु पये दंड के वसूले जायेंगे इस बैंक के उन ग्राहकों से, जिनके खातों में बैलेंस न्यूनतम बैलेंस से नीचे चला जाता है। ब्याज दरों के लगातार कम होने के ही आसार हैं, क्योंकि ब्याज दरों का ताल्लुक होता है महंगाई से। महंगाई की दर अगर लगातार बढ़ती है तो ब्याज दरों का बढ़ना बनता है। इसका सामान्य-सा अर्थशास्त्र यह है कि अगर किसी ने किसी को सौ रुपये उधार दिये हैं। दिसम्बर 2017 में और उसकी वापसी अगले साल यानी दिसम्बर 2018 में होनी है, तो जाहिर है दिसम्बर 2018 में सौ रुपये की वैल्यू वह न रह जायेगी जो दिसम्बर 2017 में थी। यानी दिसम्बर 2017 में जो चीजें 100 रु पये की आयेंगी, एक साल बाद वे ही चीजें खरीदने के लिए 105 रु पये या ज्यादा चाहिए होंगे, ये पांच रु पये जो बढ़ते हैं, यह महंगाई दर होती है। तो सौ रु पये लेकर अगर कोई 105 वापस दे रहा है, तो महंगाई दर के चलते कुछ वापस हो नहीं पा रहा है। यानी अगर ब्याज दर सात प्रतिशत हो आठ प्रतिशत तब जाकर कुछ रिटर्न मिलेगा। नवम्बर 2017 में उपभोक्ता महंगाई सूचकांक 4.88 प्रतिशत रही है, ऐसी सूरत में नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट की ब्याज दर 7.6 प्रतिशत है। अगर महंगाई दर और गिरी तो ब्याज दर और गिरेगी। रिजर्व बैंक ऑफइंडिया महंगाई पर नियंतण्र के लिए प्रतिबद्ध दिखायी देता है, ऐसी सूरत में वह पुराना दौर लौटकर न आयेगा, जिसमें महंगाई दर 12 प्रतिशत होती थी और ब्याज दर 19 प्रतिशत तक जाती थी। अब जरूरी है निवेशक रिटर्न के दूसरे रास्तों को देखें। मुचुअल फंड वगैरह में निवेश को देखें या दीर्घावधि में औसत रिटर्न 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत सालाना तक रहता है।

सत्संग

भय

भय को न मारा जा सकता है न जीता जा सकता है, केवल समझा जा सकता है और केवल समझ ही रूपांतरण लाती है, बाकी कुछ नहीं। अगर तुम अपने भय को जीतने की कोशिश करोगे, तो यह दबा रहेगा, तुम्हारे भीतर गहरे में चला जाएगा। उससे कुछ सुलझेगा नहीं बल्कि चीजें और उलझ जाएंगी। जब भय उठे तो तुम उसे दबा सकते हो- भय को जीतने का यही अर्थ है। भय को तुम मार नहीं सकते, क्योंकि उसमें एक प्रकार की ऊर्जा होती है और कोई भी ऊर्जा कभी नष्ट नहीं की जा सकती। तुमने कभी देखा भय के समय तुममें एकदम से बड़ी ऊर्जा आ जाती है? ठीक जैसे क्रोध के समय ऊर्जा आ जाती है; वे दोनों एक ही ऊर्जा के दो आयाम हैं। क्रोध आक्रामक है और भय अनाक्रमक है। भय है क्रोध की गिनेटिव अवस्था और क्रोध है भय की पॉजिटिव अवस्था। जब तुम क्रोध में होते हो तो तुममें कितनी ताकत आ जाती है, ऊर्जा भर जाती है! जब तुम क्रोध में होते हो तो एक बड़ी चट्टान भी उठाकर फेंक सकते हो; आम तौर पर उतनी बड़ी चट्टान तो तुम हिला भी नहीं सकते। क्रोध के समय तुम तीन-चार गुना ज्यादा शक्तिशाली हो जाते हो। उस समय तुम ऐसी कई चीजें कर सकते हो, जो क्रोध के बिना संभव ही नहीं है। और भय के समय तुम इतना तेज भाग सकते हो कि ओलंपिक खिलाड़ी भी ईर्ष्या करने लगे। भय से ऊर्जा पैदा होती है; भय ऊर्जा ही है, और ऊर्जा को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। अस्तित्व से ऊर्जा की एक चुटकी भी नष्ट नहीं की जा सकती। इस बात को हमेशा याद रखो, वरना तुम कुछ गलत कर बैठोगे। तुम किसी भी चीज को नष्ट नहीं कर सकते, केवल उसका रूप बदल सकते हो। छोटे से कंकड़ को भी तुम नष्ट नहीं कर सकते। रेत का एक छोटा-सा कण भी नष्ट नहीं किया जा सकता। वह केवल अपना रूप बदल लेगा। पानी की एक बूंद को भी तुम नष्ट नहीं कर सकते। वह रहेगी, इस अस्तित्व से बाहर तो जा नहीं सकती। लोग भय को नष्ट करने की, क्रोध को, काम को, लोभ को और ऐसी कितनी ही चीजों को नष्ट करने की कोशिश करते रहे हैं। पूरी दुनिया इसी तरह कोशिश करती रही है, और परिणाम क्या हुआ? मनुष्य उथल-पुथल हो गया है। कुछ भी नष्ट नहीं हुआ, सब कुछ वैसा का वसा है, बस चीजें उलझ गई हैं। कुछ भी नष्ट करने की जरूरत नहीं है।

विवाह में अधिकारों की रक्षा

देश में मुस्लिम महिलाओं को पारिवारिक मामलों में क़ानूनी संरक्षण की दिशा में यह अति महत्त्वपूर्ण कदम है। वैसे मुस्लिम महिलाओं के पारिवारिक मामलों और विशेषकर ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर राजनीति और पितृसत्ता का खूब खेल खेला गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में खुद मुस्लिम महिलाओं ने ट्रिपल तलाक के खिलाफ मुहीम छेड़ कर इस खेल का पर्दाफाश कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका द्वारा साधारण महिलाओं ने बड़ी-बड़ी धार्मिक, पितृसत्तात्मक एवं राजनैतिक ताकतों को चुनौती दी है।

सतीश पेडणोकर

इस विधेयक को सांविधानिक जेंडर जस्टिस और लोकतांत्रिक नजरिये से देखा जाना चाहिए। विधेयक का मकसद लैंगिक न्याय के साथ गुनहगार को सजा दिलाना भी है। कानून का अमल सही तरीके से होने से एवं सजा के डर से ही अपराध कम हो सकता है। अब क्या इस कानून को महज इसलिए ठुकरा दिया जाए कि यह बीजेपी सरकार की पहल का नतीजा है। तब तो यह मुस्लिम महिलाओं के साथ सरासर ज्यादती होगी और लोकतंत्र का मजाक बनाना होगा मुस्लिम महिला (विवाह में अधिकारों की रक्षा) विधेयक-2017 कल लोक सभा से पारित हो गया। भारतीय लोकतंत्र का यह एक महत्त्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पड़ाव है। देश में मुस्लिम महिलाओं को पारिवारिक मामलों में क़ानूनी संरक्षण की दिशा में यह अति महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुस्लिम महिलाओं के पारिवारिक मामलों और विशेषकर ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर राजनीति और पितृसत्ता का खूब खेल खेला गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में खुद मुस्लिम महिलाओं ने ट्रिपल तलाक के खिलाफ मुहीम छेड़ कर इस खेल का पर्दाफाश कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका द्वारा साधारण महिलाओं ने बड़ी-बड़ी धार्मिक, पितृसत्तात्मक एवं राजनैतिक ताकतों को चुनौती दी है। हैरानी की बात है कि शादी और परिवार से जुड़े मामलों में हमारे देश की मुस्लिम महिलाओं के साथ क़ानूनी भेदभाव होते आए हैं। और यह आजादी के 70 सालों के बाद भी जारी है। देश का संविधान पारिवारिक मामलों में हर नागरिक को मजहब आधारित कानून के अनुसरण की इजाजत देता है। इसी के चलते देश में हिन्दू मैरिज एक्ट, 1955; हिन्दू सक्सेशन एक्ट, 1956 और क्रिश्चियन मैरिज एक्ट जिसमें 2000 में संशोधन हुआ जैसे कानून लागू हैं। इन सभी कानूनों में संसद ने लगातार सुधार किये हैं ताकि जेंडर जस्टिस का मकसद हासिल हो सके। दूसरी ओर, देश के मुसलमान समाज में शरीअत एप्लीकेशन एक्ट, 1937 यानी की अंग्रेज सरकार के ज़माने का कानून लागू है और इसमें आज तक कोई सुधार या संशोधन नहीं हुआ है। इसी वजह से ट्रिपल तलाक, निकाह हलाला एवं बहुपत्नीत्व जैसी स्त्री विरोधी प्रथाएं चलती आई हैं। इंसाफ के कुरानी आयामों और सांविधानिक उसूलों के बावजूद मुस्लिम महिला के साथ खुलेआम नाइंसाफी होती आई है। पुरु षवादी मानसिकता के धार्मिक संगठनों के वर्चस्व के चलते मुस्लिम महिलाओं को उनके हकों से वंचित रखा गया है। ये ऐसी पितृसत्तात्मक साजिश है, जिसमें धार्मिक संगठनों के अलावा राजनीतिक वर्ग भी पूरी तरह से शामिल रहा है। इसमें कोई पॉलिटिकल पार्टी दोषी नहीं है। मौजूदा विधेयक को इस रौशनी में समझने की जरूरत है। ट्रिपल तलाक की याचिका 2016 में सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई। लेकिन इससे पहले लम्बे अरसे से मुस्लिम महिलाएं कानून की गुहार लगाती आई हैं। हमने लगातार कहा है कि कानून हमारी जरूरत ही नहीं, बल्कि हमारा संवैधानिक अधिकार भी है। दिसम्बर 2012 में मुंबई में मुस्लिम महिलाओं के राष्ट्रीय अधिवेशन में हमने ट्रिपल तलाक के खात्मे का आह्वान किया था और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को खत भी लिखा था। इसमें मुस्लिम महिलाओं के संरक्षण के लिए कानून बनाना जरूरी बताया था। तत्कालीन उप-राष्ट्रपति हामिद अंसारी से भी हमारे प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में मुलाकात एवं बैठक भी की थी। उसके बाद से लेकर मुस्लिम महिलाएं इंसाफ के लिए लगातार आंदोलनरत हैं। तो जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, देश में ट्रिपल तलाक के खिलाफ एक आम राय बन चुकी थी। शायरा बानो अब 1986 की शाह बानो की तरह अकेली नहीं थी, उसे न केवल देश की मुस्लिम महिलाएं बल्कि समूची महिला आबादी का साथ मिला था। यह कहना अतियुक्ति नहीं होगा कि इसी महिला समन्वय के चलते सुप्रीम कोर्ट का फैसला संभव हो सका वरना सांविधानिक प्रावधान तो हमेशा से मौजूद थे! विधेयक लाने के लिए केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की कोशिश सराहनीय है। साथ ही, कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्ष द्वारा कानून का समर्थन दिया जाना भी सराहनीय है। यह तालमेल भी एक ऐतिहासिक घटना है। लगता है कि राजनीतिक वर्ग को मुस्लिम महिलाओं के प्रति किये गए अन्याय का एहसास है। या फिर ये केवल राजनीतिक गिनती हो सकती है, यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन मुस्लिम महिलाओं के लिए 1947 से लेकर पहली बार क़ानूनी समानता का मौका हाथ आया है। खुशी की लहर का संदर्भ यही है। ट्रिपल तलाक को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध करार दिया है, लेकिन उसके बावजूद ट्रिपल तलाक के मामले सामने आ रहे हैं। यह दर्शाता है कि एक स्पष्ट व सक्षम कानून की जरूरत बनी हुई है। इस विधेयक के मुताबिक यदि कोई पति अपनी पत्नी को ट्रिपल तलाक यानी तलाक-ए-बिदत देता है तो इसे क़ानूनी जुर्म माना जायेगा। यह गैरजमानती संज्ञेय जुर्म होगा जिसकी सजा तीन साल तक जेल हो सकती है। पीड़िता पत्नी के लिए या खर्ची या भत्ते का प्रावधान है। बच्चे मां के साथ रहेंगे।इस विधेयक को सांविधानिक जेंडर जस्टिस और लोकतांत्रिक नजरिये से देखा जाना चाहिए। इस विधेयक में दो सुधारों की गुंजाइश जरूर है। पहला यह कि इस विधेयक में तलाक की विधि अंकित करना सही रहेगा। जब ट्रिपल तलाक अवैध है तो यह भी कहा जाना चाहिए कि तलाक का सही तरीका क्या होगा। तलाक-ए-एहसान पर आधारित तरीका सटीक होगा। तलाक से पहले कम से कम 90 दिनों तक पति-पत्नी में संवाद, सुलह, मध्यस्थता की कोशिश हो। हिन्दू मैरिज एक्ट में तलाक से पहले 6 महीने की कुलिंग पीरियड क़ानूनी शर्त है। मुस्लिम शादी में भी इसका प्रावधान सही रहेगा। 90 दिनों के बाद भी अगर सुलह नहीं होती है और तलाक की नौबत आती है तो फिर पत्नी के लिए घर, खर्ची, बच्चों की सरपरस्ती उसे मिलनी चाहिए। दूसरा यदि पति कानून का उल्लंघन करता है तो उसे सजा ज़रूर मिले। लेकिन उसका जुर्म हो और केस दर्ज कराने का हक पत्नी का हो। वे चाहें तो केस दर्ज करवाए और कोर्ट पति को जेल या अन्य सजा दे; चाहे तो इसे गैर-जमानती जुर्म बनाया जाए। इस सुधार से कानून के दुरुपयोग की आशंका नहीं रहेगी। विधेयक का मकसद जेंडर जस्टिस है और गुनहगार को सजा दिलाना भी। कानून का अमल सही होने से एवं सजा के डर से ही अपराध कम हो सकता है। अब क्या इस कानून को महज इसलिए ठुकरा दिया जाए कि यह बीजेपी सरकार की पहल का नतीजा है। यह तो मुस्लिम महिलाओं के साथ सरासर ज्यादती होगी और लोकतंत्र का मजाक बनाना होगा।

चलते चलते

अलविदा-2017

अलविदा! अलविदा, गौरी लंकेश को हमेशा के लिए सुलाने वाले साल। अलविदा, दाभोलकर, पानसरे तथा कलबुर्गी की तरह, उनके मामले में भी पुलिस को कोई लीड न मिल पाने के साल। ट्रोल सेना के गांधी की हत्या की तरह, इस हत्या पर भी खुशियां मनाने के और पीएम जी के एक बार फिर एकदम चुप्प लगा जाने के साल, अलविदा। केसरिया राज में राजपूताने में गोरक्षकों से लेकर, स्वच्छता-रक्षकों तक के हाथों आबादी घटवाने वाले साल; पद्मावती से लेकर हल्दीघाटी की लड़ाई तक, सारा इतिहास सुधरवाने वाले साल; बाबू लाल रैगर को नया गोडसे बनाकर पुजवाने और उदयपुर में अदालत पर तिरंगे की जगह केसरिया फहराने को राष्ट्रभक्ति बनाने वाले साल; तमाम गैर-केसरिया पब्लिक को और

अलविदा, दाभोलकर, पानसरे तथा कलबुर्गी की तरह, उनके मामले में भी पुलिस को कोई लीड न मिल पाने के साल। ट्रोल सेना के गांधी की हत्या की तरह, इस हत्या पर भी खुशियां मनाने के और पीएम जी के एक बार फिर एकदम चुप्प लगा जाने के साल, अलविदा। केसरिया राज में राजपूताने में गोरक्षकों से लेकर, स्वच्छता-रक्षकों तक के हाथों आबादी घटवाने वाले साल;

डराने वाले साल; अलविदा। योगी को यूपी की गद्दी दिलाने वाले साल, अलविदा। मणिपुर और गोवा में दौड़ में दूसरे नम्बर पर रहकर भी, केसरिया को जिताने वाले साल, अलविदा। पंजाब में पिटकर भी मोदी जी को विजयी ब्रांड बनाए रखकर दिखाने वाले साल, अलविदा। उन्हें हिमाचल में एक और जीत दिलाने वाले, पर गुजरात में गद्दी बचाने से पहले, खूब पसीना निकलवाने वाले साल; चुनाव में विकास-फिकास सब भुलवा देने और नानी-नाना के अलावा पाकिस्तान याद कराने वाले साल; शाह को जीतकर भी हार की-सी फीलिंग दे जाने वाले साल, अलविदा। आडवाणी जी, जोशी जी से रिटायरमेंट का एक और साल कटवाने वाले, पर यशवंत को रिबेल बनवाने वाले साल, अलविदा। नोटबंदी की चोट पर, जीएसटी की चोट मारने वाले; किसानों को बागी बनाने वाले; रोजगार को जुम्ला बनाने वाले; नीतीश को केसरिया भक्त में पलटवाने वाले; एक मंत्री से संविधान को पलटने का एलान कराने वाले; राम सेतु पर अमरीकी मोहर लगवाने वाले; इकॉनामी का भट्ठा बैठाने वाले; महंगाई का जोर दिखाने वाले; शाह-जादे के हल्ले में युवराज को मजे में तख्तनशीन कराने वाले साल, तू जा ताकि 2018 आए। जो तुझसे नहीं बना शायद वही कर पाए। हंसी न सही, पब्लिक के चेहरे पर कुछ मुस्कुराहट तो लाए।

फोटोग्राफी...

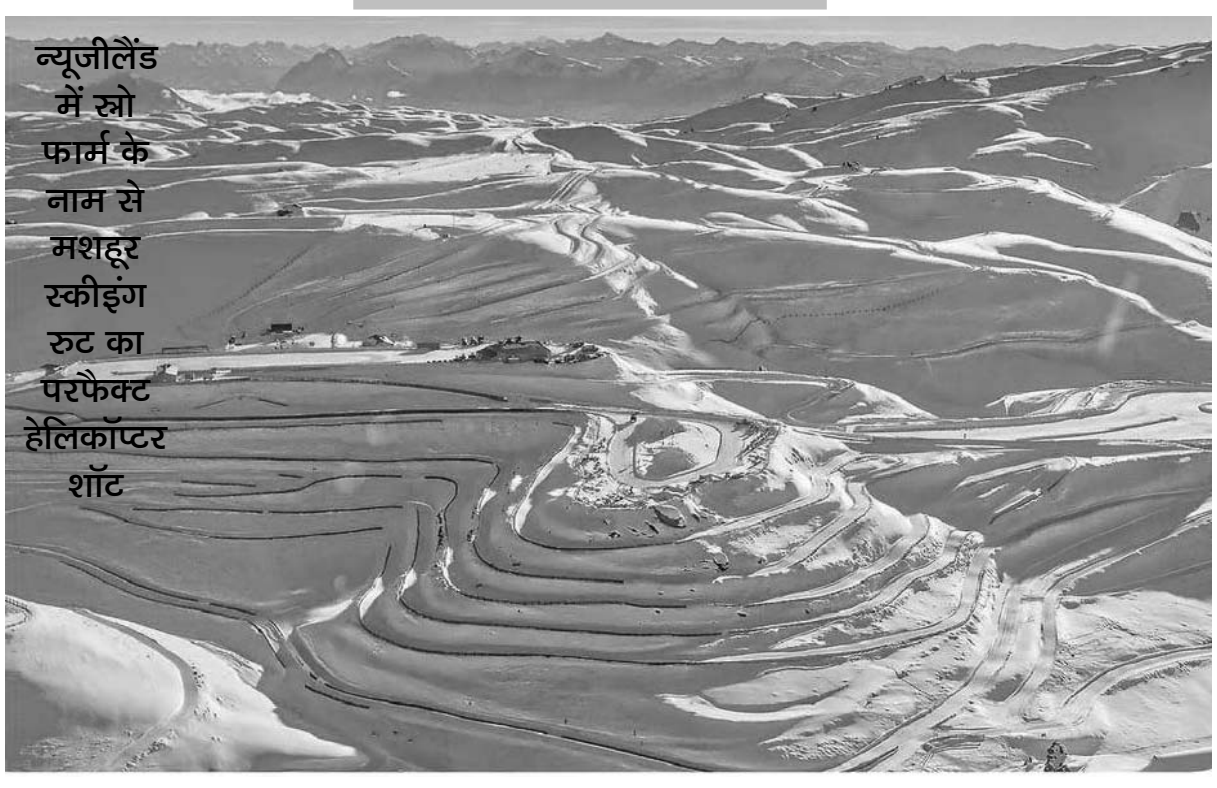

न्यूजीलैंड में स्नो फार्म के नाम से मशहूर स्कीइंग रुट का परफैक्ट हेलिकॉप्टर शॉट

यह फोटो न्यूजीलैंड में क्वीन्सटाउन और वनाका के बीच है, जिसे स्नो फार्म कहाजाता है। सर्दियों आते ही यहां का पूरा वातावरण सफेद रंग का हो जाता है। इसके बारे में फोटोग्राफर रेटक्लिफने लिखा कि उन्होंने ऐसे दृश्य खदानों में देखे थे, लेकिन यह खदान का नहीं बल्किक्रॉस-कंट्री स्काइंग रुट है। वे स्कीअर नहीं थे, लेकिन इस दृश्य को क्लिक करने के लिए उन्होंने हेलिकॉप्टर की मददली और पूरा स्कीइंग रुट् कवर किया। यहां काम करने वाली संस्था ने ऊपर की तरफ कुछ के बिन तैयार किए हैं, जहां मौसम खराब होने जैसी स्थितिमें स्कीअर्स कुछ दिन ठहर सकते हैं। जब सर्दियों के बाद बर्फ पिघल जाती है तो यहां पूरे वातावरण में हरियाली छाजाती है। Notey.com

''सुविधा शुल्क'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत सप्ताह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में प्रमुख उद्योगपतियों को अपने राज्य में करने निवेश करने का न्योता देने गये। ऐसे में योगी जी उसी दिशा में चल पड़े हैं, जिस पर हरेक मुख्यमंत्री और सरकार को चलना ही चाहिए। कोई भी प्रदेश निजी क्षेत्र के निवेश के बिना चौतरफा विकास कर ही नहीं सकता। आपको देसी-विदेश निवेश तो आकर्षित करना ही होगा। इसी क्रम में आपको अपने राज्य में निवेश का अनुकूल वातावरण भी बनाना होगा, ताकि प्राइवेट सेक्टर का निवेश भी खुलकर आए। ये अपने आप में सुखद है कि अब अधिकतर राज्य अपने यहां निवेश लाने के लिए तगड़ी पहल कर रहे हैं। इनमें एक तरह से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी है। इसका निश्चित तौर पर स्वागत तो होना ही चाहिए। जाहिर सी बात है कि जो राज्य जितने ठोस कदम उठाएंगे निवेश को खींचने के लिए, उन्हें उतना ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ डीआई) और देश के अंदर से ही प्राइवेट सेक्टर का निवेश भी मिलेगा। यों तो, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्रमश: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और के. चंद्रशेखर राव में एक अद्भुत समानता भी है। ये दोनों अपने-अपने प्रदेश में निवेश लाने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। और, महाराष्ट्र और गुजरात तो परम्परागत रूप से देश के दो इस तरह के राज्य हैं, जहां पर निवेश का वातावरण शुरू से ही रहा है। दरअसल, भारत की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति का रास्ता इन दोनों ही राज्यों से होकर गुजरता है। इस बीच,भारत सरकार का डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन (डीआईपीपी) हर साल एक सूची जारी करने लगा है जो यह बताता है कि देश के कौन से राज्य बिजनेस करने के लिहाज से उत्तम हैं। इस पूरी कवायद के पीछे एक मात्र लक्ष्य, राज्यों के बीच निवेश और विकास को लेकर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। इस सूची में वे ही राज्य आगे निकल रहे हैं, जहां पर औद्योगिक उपयोग के लिए जमीन की उपलब्धता है, लैंड रिकॉर्डस का कंप्यूटरीकरण हो चुका है, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में कमर्शियल विवाद के लिए ई फाइलिंग की व्यवस्था है, कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक है , वगैरह-वगैरह। लेकिन उत्तर प्रदेशमें उद्यमियों की सबसे बड़ी चिंता राज्य में क़ानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर है। दुर्भाग्य रहा उत्तर प्रदेश का कि कल्याण सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल के बाद गुंडागर्दी आम बात हो गई और सरकारी अफ़सरों तथा सरकारी पार्टियों के नेताओं द्वारा लूट की राशि बढ़ती ही गई। उत्तम प्रदेश को ''उलटा प्रदेश' बनाकर रख दिया विगत दो दशकों के शासकों ने। ऐसा भी नहीं है कि निवेशकों के बजट में ''चन्दा' और ''सुविधा शुल्क' का प्रावधान नहीं होता। जरूर होता है। लेकिन, दाल में नमक के बराबर! असीमित नहीं। अब कोई दाल से ज़्यादा नमक ही मांगने लगे तो क्या अंजाम होगा?एक बात तो समझ ही लेनी चाहिए कि हरेक कारोबारी का लक्ष्य अधिक से अधिक मुनाफा कमाना ही होता है। अधिक लाभ के लिए भारतीय कंपनियां हों या विदेशी सभी यही करने लगी हैं। बिहार में सत्तर के दशक में डॉ. जगन्नाथ मिश्र के मुख्यमंत्रित्व में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के लिए पांच औद्योगिक विकास प्राधिकरण बने थे। ये पटना, मुजफ्फरपुर, बोकारो, रांची और आदित्यपुर (जमशेदपुर) में बनाई गई थीं। इनमें से तीन तो झारखण्ड में चली गई। बिहार की दो अथॉरिटी पटना और मुजफ्फरपुर भी बंद प्राय हो गई हैं। इसलिए निवेशक भी भाग गए। अब पटना औद्योगिक क्षेत्र की ज़मीन पर कहीं फ़िल्म निर्माता प्रकाश झा मॉल, होटल और मल्टीप्लेक्स खोल रहे हैं तो कहीं स्कूल खुल रहे हैं तो कहीं गाड़ियों के शो रूम। राज्य सरकार को अब राज्य में निवेश के नए सिरे से उपाय खोजने होंगे।

बिहार में घने कोहरे की वजह से हवाई यातायात प्रभावित रहा

पटना (ईएमएस)। मौसम बदलने से हुए बदलाव के साथ-साथ घने कोहरे छाने की वजह से सबसे ज्यादा हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। कोहरे के कारण दिल्ली से लेकर तमाम लम्बी उड़ान चार से पांच घंटे के विलंब से पटना आ रही हैं। घने कुहरे के कारण पटना एयरपोर्ट पर शुक्रवार की देर शाम एक विमान लैंड किया है, मगर सभी यात्री विमान के अंदर ही फंसे हुए थे। शुक्रवार को शाम 4.30 बजे तक तो कोई फ्लाइट लैंड करने की स्थिति में नहीं थी। इसका सबसे बड़ा कारण पुअर विजिबिलिटी। जानकारी के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6ई 633 कोलकाता पटना शुक्रवार की शाम 8.30 बजे पटना एयरपोर्ट पर लैंड की। यह लैंड करने के करीब दो घंटे बाद भी रनवे पर ही फंसी रही। घने कुहरे के कारण पटना एयरपोर्ट पर शुक्रवार की देर शाम एक विमान लैंड किया है, मगर सभी यात्री विमान के अंदर ही फंसे हुए थे। शुक्रवार को शाम 4.30 बजे तक तो कोई फ्लाइट लैंड करने की स्थिति में नहीं थी। इधर घने कुहासे के कारण सड़क से लेकर रेल यातायात भी बुरी तरह प्रभावित रहा। कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। वहीं कई ट्रेनें 10 से 12 घंटे विलंब से आईं।

15 साल की मुस्लिम बच्ची आलिया खान ने हासिल किया दूसरा स्थान

लखनऊ (ईएमएस)। योगी सरकार की गीता ज्ञान प्रतियोगिता में मेरठ की 15 साल की एक मुस्लिम बच्ची आलिया खान ने उत्तर प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं,एक मुस्लिम मज़दूर की 16 साल की बेटी आफरीन लखनऊ डिवीज़न में फर्स ?ट आई है। गीता ज्ञान की इस प्रतियोगिता में पूरे यूपी के सारे सरकारी स्कूलों के लाखों बच्चों ने हिस्सा लिया। यहीं नहीं भगवान कृष्ण के लिबाज में आलिया ने गीता को गाकर सुनाया। आलिया की उम्र बस 15 साल है। शायद इस उम्र में गीता का इतना बड़ा दर्शन उसे समझ नहीं आता हो,लेकिन इतना तो वो समझती है कि इसमें एक मजहब के भगवान ने जिंदगी का फलसफा बयां किया है, जो धर्मों के आर-पार जाता है। इस संबंध में आलिया ने कहा,किसी ने मुझे कुछ नहीं कहा सब बहुत सोपोर्टिव हैं। अगर कोई कुछ कहता भी है तो मेरे पास सीधा सा जवाब है। मैं गीता किसी धर्म के कारण नहीं पढ़ती हूं। मैं गीता ज्ञान लेने के लिए पढ़ती हूं और ज्ञान हम कहीं से भी ले सकते हैं। इस मौके पर आलिया की मां अफरोज भी मौजूद थीं। अफरोज अपनी बेटी के प्रदर्शन से काफी खुश हैं, उन्होंने कहा कि लोगों हमें बधाई संदेश दे रहे थे और सब यहीं दुआ कर रहे थे कि वहीं से आलिया विजेता बनकर आए।

मदरसे से 51 छात्राएं पुलिस ने करायी मुक्त, प्रबंधक गिरफ्तार

लखनऊ (ईएमएस)। राजधानी के एक मदरसे में 51 लडकियों को पुलिस ने मुक्त कराया है। मदरसे के प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। आरोप है प्रबंधक लड़कियों के साथ अष्लील हरकतें करता था। सभी लडकियों को मुक्त कराया गया और प्रबंधक मोहम्मद तैयब जिया को गिरफ्तार कर लिया। मुक्त करायी गयी छात्राओं का आरोप है कि प्रबंधक उनका उत्पीडन करता था और उनके साथ अमानवीय बर्ताव करता था। पुलिस प्रवक्ता ने यहां बताया कि स्थानीय लोगों की शिकायत पर पुलिस दल ने सआदतगंज थानाक्षेत्र के यासीनगंज इलाके में मदरसा जामिया खदीजतुल कुबरा लिलबनात पर बीती रात छापा मारा। प्रवक्ता के अनुसार मदरसे के छात्रावास में 51 छात्राओं को बंधक बनाकर रखा गया था। सभी लडकियों को मुक्त कराया गया और प्रबंधक मोहम्मद तैयब जिया को गिरफ्तार कर लिया। मुक्त करायी गयी छात्राओं का आरोप है कि प्रबंधक उनका उत्पीडन करता था और उनके साथ अमानवीय बर्ताव करता था। छात्राओं को उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया पुलिस ने शुरू कर दी है। पुलिस अब इस बात की जांच की जा रही है कि मदरसा दरअसल पंजीकृत था या अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था।

तीन तलाक पर बिल पेश होने की खुशी में पीएम मोदी की पेंटिंग बनाएंगी नगमा

बलिया (ईएमएस)। लोकसभा में तीन तलाक पर बिल पेश होने से खुश नगमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राखी बांधते हुए पेंटिंग बनाएंगी। नगमा ने बिल पेश होने की खबर टीवी पर देखते हुए नगमा ने यह इच्छा अपने अब्बू शमशेर खां को बताई। एक अखाबर से बातचीत में नगमा ने कहा कि वह संसद भवन के सामने देशभर में तीन तलाक की सताई हुई बहनों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राखी बांधते हुए पेंटिंग बनाएंगी। लोकसभा में तमाम विरोध के बाद तीन तलाक को लेकर पेश हुए बिल से नगमा बहुत खुश हैं। वह कहती हैं कि मोदी तीन तलाक के नाम पर अत्याचार सह रही बहनों के भाई ही नहीं बल्कि कानून के रक्षक हैं। इससे पहले नगमा प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की पेंटिंग बना चुकी हैं। नगमा के इस पेंटिंग को बनाने के बाद उनके शौहर ने उन्हें तीन तलाक की धमकी देकर घर से बेदखल कर दिया था। आपको बता दें कि बलिया के सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के बसारिकपुर गांव की नगमा को उनके पति ने इसी साल सितंबर में इसलिए घर से निकाल दिया था क्योंकि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की पेंटिंग बनाई थी। पेंटिंग के कारण घर से बेदखल करने के साथ पति द्वारा तीन तलाक की धमकी सुन चुकी नगमा संसद में बनने वाले इस कानून को लेकर बहुत आशान्वित है।

लालू के पक्ष में किया तजेस्वी ने ट्वीट, विरोधियों पर साधा निशाना

पटना (ईएमएस)। लालू प्रसाद यादव के जेल में जाने के बाद उनकी जगह उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने बिहार में राजद का मोर्चा संभाल हुआ है। इसी कड़ी में बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने शनिवार को कहा कि जेल में बंद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के साथ बिहार की भूमि खड़ी है। चारा घोटाला के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद से बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ट्विटर के माध्यम से लगातार विराधियों पर निशना साध रहे हैं। इसी कड़ी में तेजस्वी ने लालू प्रसाद की लोगों को संबोधित करते हुए एक तस्वीर के साथ ट्वीट करते हुए लिखा, बदल देंगे उन ताकतों को जिनसे सत्ता घूमी है लालू जी के साथ खड़ी यह बिहार की भूमि है। उल्लेखनीय है कि तेजस्वी इन दिनों काव्यात्मक शैली में विरोधियों पर निशाना साध रहे हैं। गौरतलब है कि चारा घोटाले के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद से लालू झारखंड की जेल में बंद हैं। इस मामले में अदालत तीन जनवरी को सजा सुनाने वाली है।

गंगासिंह यादव का पार्टी कार्यालय पहुंचने पर समाजवादियों ने किया जोरदार स्वागत

फैजाबाद (ईएमएस)। आगामी 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिये कार्यकर्ता अभी से ही जुट जायें। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन होगा। यह बातें समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व राज्यमंत्री तेजनारायण पाण्डेय 'पवन' ने समाजवादी पार्टी कार्यालय के लोहिया भवन में कही। श्री पाण्डेय नवनियुक्त सपा जिलाध्यक्ष गंगासिंह यादव के स्वागत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री यादव के जिलाध्यक्ष बनने से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि श्री यादव नौ वर्षों से जिला महासचिव पद पर बड़ी कुशलता व सूझबूझ के साथ दायित्व निभा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हालात अच्छे नहीं हैं, प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट हो गयी है। प्रदेश में अपराधियों के हौसले बढ़ गये हैं। योगी सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर फेल हो चुकी है। नवनियुक्त सपा जिलाध्यक्ष गंगासिंह यादव का शुक्रवार को पार्टी कार्यालय पहुंचने पर समाजवादियों ने फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

स्वागतोपरान्त जिलाध्यक्ष श्री यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश सचिव एस0आर0एस0 यादव का आभार प्रकट किया। साथ ही साथ उन्होंने जनपद के नेताओं पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय 'पवन', विधान परिषद सदस्य लीलावती कुशवाहा, पूर्व विधायक आनन्दसेन यादव, पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी 'रूश्दी मियाँ', पूर्व विधाकय अभय सिंह, समाजवादी छात्रसभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिमेष प्रताप सिंह 'राहुल' का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि जिले की जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी तरीके से निभाऊँगा और जिला संगठन में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि सबको साथ लेकर व सबका सम्मान किया जायेगा। जिलाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि बहु जल्द ही जिला कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि साकेत महाविद्यालय में छात्रसंघ के चुनाव में समाजवादी छात्रसभा द्वारा घोषित पैनल के चारों प्रत्याशी जीत का परचम फहरायेंगे। पार्टी प्रवक्ता ओम प्रकाश ओमी ने कहा कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री यादव का रीडगंज चौराहे पर पार्षद उमेश यादव की अगुवाई में स्वागत हुआ जिसमें चन्दन सिंह यादव, मनीष यादव, मो0 जाबिर, दीपक यादव, सोनू यादव, मो0 इरफान, सुनील सोनी, विक्की यादव आदि मौजूद थे।

प्रवक्ता ने बताया कि पार्टी कार्यालय पहुंचने पर जिलाध्यक्ष श्री यादव का सपा महानगर अध्यक्ष मो0 कमर राईन की अगुवाई में बाबूराम गौड़, पार्टी प्रवक्ता ओम प्रकाश ओमी, शिवबरन यादव पप्पू, कमलेन्द्र पाण्डेय, जनार्दन पाण्डेय 'बब्लू', ज्ञानेन्द्र शुक्ला, इन्द्रपाल यादव, ओ0पी0 पासवान, देशराज यादव, मिर्जा सादिक हुसैन, दान बहादुर सिंह, मनोज जायसवाल, अंसार अहमद बब्बन, संजीत सिंह, रक्षाराम यादव, चौधरी बलराम यादव, शमशेर यादव, मुकेश जायसवाल, गौरव पाण्डेय, म0 अनिल मिश्रा, शाहबाज खान लकी, शुभम् पाण्डेय, अमित यादव, विकास तिवारी, रजनीश मिश्रा, गुड्डू पाण्डेय, उमेश दूबे, गुड्डू केसरवानी, नीरज तिवारी, सन्टी तिवारी व पार्षद रामभवन यादव, विशाल पाल, औरंगजेब खान आदि बड़ी संख्या में समाजवादियों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष को मिष्ठान खिलाकर सभी ने बधाई दी।

गैंगरेप नहीं कर पाये तो फोड़ दी महिला की आंख

फतेहपुर (ईएमएस)। जिले के औंग थाना क्षेत्र के कौड़ियां गांव में शनिवार की सुबह शौच के लिए गयी एक महिला को गांव के ही कुछ दबंगों ने महिला को दबोच लिया और उससे गैंगरेप का प्रयास किया। लेकिन, जब वो लड़के दुष्कर्म करने में सफल नहीं हो पाए तो महिला को कुल्हाड़ी से काटने की कोशिश की और उसकी आंख फोड़ दी। घटना के बाद महिला के परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और पड़ोस के ही एक युवक पिंटू गुप्ता और उसके एक साथी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। परिजनों ने पीड़िता को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया। पीड़िता के भाई ने बताया कि मेरी बहन शादीशुदा है और कुछ दिन पहले ही अपने ससुराल से बड़ी बहन के यहां आई थी। बड़ी बहन की तबीयत खराब है इसलिए उसके बच्चों की देखरेख करने यहां आई थी। शनिवार की सुबह करीब नौ बजे वो खेत में शौच के लिए गई थी।

इसी दौरान घने कोहरे का फायदा उठाकर पड़ोस में ही रहने वाला दबंग पिंटू गुप्ता अपने के एक दोस्त के साथ वहां पहुंच गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर बहन के साथ गैंगरेप का प्रयास किया। लेकिन, बहन के पुरजोर विरोध के चलते लड़के अपने मंसूबे में सफल नहीं हो पाए। पीड़िता के मुताबिक, जब लड़के गैंगरेप करने में सफल नहीं हो पाए तो गुस्से में कुल्हाड़ी निकाल ली और ताबड़तोड़ हमला करने लगे। इसके बाद उन्होंने मेरी एक आंख फोड़ दी।

सपा का मिशन 2019 : लोकसभा चुनाव में किसी अपराधी को टिकट नहीं

पार्टी के प्रारुप में देने होगी सभी जानकारी

लखनऊ (ईएमएस)। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब सपा 2019 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी के तहत उत्तरप्रदेश की समाजवादी पार्टी ने आगामी 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए बाकायदा पार्टी के यूपी अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की तरफ से चिट्ठी जारी कर साफ किया है कि किसी आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कैंडिडेट को टिकट नहीं दिया जाएगा। चिट्ठी के मुताबिक जिन लोगों को 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए आवेदन करना है, उन्हें बाकायदा पार्टी की तरफ से दिए गए एक प्रारुप में अपनी जानकारियां भेजनी होंगी। फॉर्म के साथ 10 हजार रुपये का आवेदन शुल्क जमा कराया जाएगा। आवेदनकर्ता को प्रारुप में यह भी बताना होगा कि उसके खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज है या नहीं। उस समाजवादी बुलेटिन का आजीवन सदस्य होना चाहिए,समाजवादी पार्टी का सक्रिय सदस्य होना चाहिए और साथ ही साथ आवेदनकर्ता के ऊपर समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय अथवा किसी भी कार्यालय का कोई भी शुल्क बकाया नहीं होना चाहिए। समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता जूही सिंह के मुताबिक ऐसा पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर हो रहा है और समाजवादी पार्टी चाहती है कि उसके सारे आवेदनकर्ता और चुनाव के लिए कैंडिडेट्स साफ-सुथरी छवि वाले हों। उन पर कोई मुकदमा या गंभीर आरोप न हों,इसीलिए यह जानकारी लिखित रूप से मांगी गई है।

मुख्यमंत्री योगी के काफिले के आगे कूदा युवक

लखनऊ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा में शनिवार को उस समय सेंध लग गयी जब उनके काफिले के आगे एक युवक कूद गया। इस घटना से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में हरकत में आयी पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। सीएम की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर भी जांच की जा रही है। पकड़ा गया युवक सोनभद्र जिले का है और वह भाजपा के एक विधायक के खिलाफ अवैध खनन की षिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहता था। पुलिस पीड़ित युवक से पूछताछ कर रही है। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लोकभवन में एक कार्यक्रम में शामिल होने जाना था। इसी दौरान सोनभद्र से आया युवक श्याम जी मिश्रा (30) ने सोनभद्र से भारतीय जनता पार्टी सदर विधायक तथा भाजपा के जिलाध्यक्ष पर अवैध खनन का आरोप लगाया है। वह अपनी षिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहता था। इसीलिए श्याम मिश्रा ने मुख्यमंत्री की फ्लीट के सामने छलांग लगा दी। श्याम ने सोनभद्र के भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा और सदर विधायक भूपेश चैबे पर बालू और गिट्टी खनन का आरोप लगाया है। उसने बताया कि वह लखनऊ के लक्ष्मण मेला ग्राउंड में कई बार जिलाध्यक्ष और विधायक पर कार्रवाई की मांग एवं खनन के विरोध को लेकर अनशन कर चुका है। श्याम जी मिश्रा का कहना है कि 6 महीने से अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों व मंत्रियों के चक्कर लगा चुका हूं, लेकिन कोई मेरी सुनने वाला नहीं है। उसने कहा कि 2200 की परमिट 14000 में बेची जा रही है और अवैध खनन के चलते वहा की जनता अपना आशियाना नहीं बना पा रही है।

स्मारकों पर मेहरबान हुई राज्य सरकार, बसपा के प्रस्ताव को दी हरी झंडी

लखनऊ (ईएमएस)। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती द्वारा लखनऊ में बनवाए गए तमाम स्मारकों के अच्छे दिन आने वाले हैं। बसपा सरकार में बनाए गए इन स्मारकों को संवारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मायावती के पुराने प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है, जिसमें पुराने स्मारकों को संरक्षति रखने का प्रावधान किया गया है। सूत्रों के अनुसार यह निर्णय अगले वर्ष 21 और 22 फरवरी को लखनऊ मे होने वाले इनवेस्टर्स सम्मिट को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि वह इन मूर्तियों व स्मारकों को अच्छी तरह चमकाएं। जिससे कि शहर में दुनियाभर से आने वाले निवेशकों पर लखनऊ की अच्छी छवि बने। कुछ लोग इसके पीछे दलित मतदाताओं को आकर्षित करने के प्रयासों के रूप में भी देख रहे हैं। पिछले दिनों पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित-सवर्ण विवाद के लामबंद होने वाले दलितों को संतुष्ट करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह पहल की है। गौरतलतब है कि मायावती ने अखिलेश यादव के शासनकाल में 2012-2017 के बीच कई पत्र लिखे। जिसमें उन्होंने इन स्मारकों को संरक्षति करने की अपील की, लेकिन अखिलेश यादव ने इन अपीलों पर ध्यान नहीं दिया। मायावती ने खुले तौर पर उन्हें धमकी दी थी कि मूर्तियों की अनदेखी का बहुजन समाज उन्हें सबक सिखाएगा। लेकिन अखिलेश सरकार के जाने के बाद आखिरकार योगी सरकार ने मायावती की इस अपील को स्वीकार कर लिया है। इस निर्णय के पीछे सियासी वजह बताई जा रही है। गुजरात चुनाव में एनसीपी और बसपा ने जिस तरह मिलकर कांग्रेस को 10 सीटों का नुकसान पहुंचाया है, उसके बाद भाजपा दलित वोटरों को लुभाने की कोशिश शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि सन 2002-2007 के बीच उत्तर प्रदेश में मायावती सरकार ने गुलाबी पत्थरों से स्मारक और मूर्तियों को बनवाने में 45000 करोड़ रुपए खर्च किए थे। अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि वह इन मूर्तियों व स्मारकों को अच्छी तरह चमकाएं। जिससे कि शहर में दुनियाभर से आने वाले निवेशकों पर लखनऊ की अच्छी छवि बने। इस फैसले को लेकर उनकी भारी आलोचना की गई थी। समाजवादी पार्टी, भाजपा सहित तकरीबन हर दल ने इस खर्च को लेकर मायावती को निशाने पर लिया था। यहां तक कि एनजीटी ने भी नोएडा में बनाए जा रहे है पार्क पर आपत्ति जताते हुए इसे पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करार दिया था।

नगरी पथ विक्रेताओं के संरक्षण को नियमावली हुई लागू

आजमगढ (ईएमएस)। नगरी पथ विक्रेताओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए शासन की ओर से उत्तर प्रदेश पथ विक्रेता जीविका संरक्षण और पथ विक्रय विनियमन नामक नियमावली का निर्माण किया गया है। इस बात की जानकारी शनिवार को जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र भूषण सिंह ने ईएमएस से बातचीत में दी। उन्होने बातचीत के दौरान बताया कि शासन द्वारा नगरीय पथ बिक्रेताओं के अधिकरों का संरक्षण करने और पथ बिक्रय क्रियाकलापों का विनियमन करने के दृष्टि से उ0प्र0 पथ बिक्रेता जीविका संरक्षण और पथ बिक्रय विनियमन नियमावली 2017 बनायी गयी है जो उ0प्र0 राज्य के समस्त नगर निगमों, नगर पालिका परिषदां एवं नगर पंचायतों में लागू है। उक्त नियमावली में यह व्यवस्था की गयी है कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नाम निर्दिष्ट जिला प्रशासन का एक प्रतिनिधि नामित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में जनपद की नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के लिए जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में अधिकारी नामित किया है जिसके अनुसार नगर पालिका परिषद आजमगढ़ एवं मुबारकपुर हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट सदर, नगर पंचायत जीयनपुर, अजमतगढ़, बिलरियागंज एवं महराजगंज हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट सगड़ी, अतरौलिया हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट बूढ़नपुर, फूलपुर एवं माहुल हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट फूलपुर, सरायमीर एवं निजामाबाद हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट निजामाबाद, कटघर लालगंज हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज तथा नगर पंचायत मेंहनगर हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट मेंहनगर को नामित किया गया है।

किसानों की आय दोगुनी करने को डीएम ने की समीक्षा

आजमगढ (ईएमएस)। किसानों की आय को दोगुनी करने को लेकर पूर्व में किए गए प्रयासों की जिलाधिकारी ने समीक्षा की। जिलाधिकारी चंद्रभूषण सिंह ने ईएमएस से बातचीत के दौरान बताया कि किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए पूर्व में किए गए प्रयासों की उनके द्वारा बीते दिनों समीक्षा की गई।

उन्होने कहा कि जिले में सीमान्त कृषक की आबादी 70 प्रतिशत एवं उससे अधिक जिससे यन्त्रीकृत खेती कम होती है। यन्त्रीकृत खेती को बदहवा देने हेतु बैंको द्वारा यन्त्रीकृत हेतु पर्याप्त और समय पर ऋण दिया जाना आवश्यक है।

जनपद में ढाचागत विकास की जरूरत है जिससे कृषकां को उनके पैदावार का उचित कीमत मिल सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को बीमा योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नही इसके लिए उनके द्वारा समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना आदि की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

अस्पताल में बाहर की लिखी जा रही दवाएं, जांच के आदेश

मऊ (ईएमएस)। जिला अस्पताल मे तैनात चिकित्सकों के द्वारा मरीजों को बाहरी दवाएं लिखी जा रही है। बीते दिनों औचक निरीक्षण में जिलाधिकारी को इलाज के लिए भर्ती मरीजों ने इस बात की जानकारी दी। डीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए तो वही पर हास्पिटल में मौजूद गंदगी पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी से स्पष्टीकरण तलब किया। जिलाधिकारी प्रकाश विन्दु ने शनिवार को संबाददाता से बातचीत के दौरान बताया कि उनके द्वारा जिला चिकित्सालय एवं महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय जिला चिकित्सालय में गन्दगी एवं शौचालय गन्दा मिलने पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी व्यक्त की गई तथा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी से इस मामले में स्पष्टीकरण तलब किया गया। उन्होने कहा कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीज मीरा, पुनम, शबाना, मीना, उस्मान, राम अवध, विनय कुमार द्वारा बताया गया कि दवाइयां बाहर की लिखी जा रही हैं जिलाधिकारी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसकी जॉच करने के निर्देश दिये तथा सम्बन्धित के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। भर्ती मरीजां द्वारा बताया गया कि उन्हे भोजन भी नही दिया जा रहा है। इस पर भी जिलाधिकारी द्वारा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये।

उन्होने कहा कि महिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौश्रान उन्हें वहॉ पर भी गन्दगी देखने को मिली तो इस पर उनके द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। जिलाधिकारी ने दोनो अस्पतालों के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी निर्देश दिया कि अस्पताल में साफ-सफाई कराये चादर प्रतिदिन बदली जाय एवं मरीजां को दवायें एवं भोजन मिलें इसकी व्यवस्था सही करें अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

ठंड पर सतर्क जिलाधिकारी खुद कर रहे निगरानी

मऊ (ईएमएस)। कड़ाके की ठंड से गरीबों को निजात दिलाने के लिए सरकार के आदेश पर की जा रही व्यवस्थाओं में कही कोई लापरवाही तो नही कदी जा रही है? इसको लेकर जिलाधिकारी जहां एक टीम गठित कर व्यवस्थओं की जांच कर र हैं तो वही पर वे खुद इन व्वस्थाओं पर पैनी निगाह बनाए गरीबों को ठंठ से बचाव को रैनबसेरा और अलाव के स्थानों का जायजा ले रहे है। शनिवार को जिलाधिकारी ने संवाददाता से बातीचीत के दौरान कहा कि ठंड से गरीबों को बचाने के लिए नगरी में अलाव जलाने और रैनबसेरा की स्थापना की गई है। निश्चित जगहों पर अलाव जल रहे है कि रैन बसेरों की क्या स्थिति है इसके लिए उनके द्वारा एक टीम गठित कर जहां उसकी जानकारी हासिल की जा रही है तो वही पर जहां उन्हेक गड़बड़ी की आंशंका लग रही ही वे खुद इसकी जांच कर रहे है।

कपड़ा कारोबारियों को लगाया १.65 लाख का चूना

महाराष्ट्र के दो कारोबारी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

संवाददाता, सूरत

कपड़ा कारोबार करना भी आसान नहीं रह गया। आए दिन कोई न कोई कारोबारी ठगों की जाल में फंसकर लाखों रूपया गवां देते हैं। अलथाण निवासी कपड़ा कारोबारी सहित दो जने को ठगों द्वारा १.65 लाख रूपये का चूना लगाने का मामला प्रकाश में आया है। दोनों ठगों ने उधारी में कपड़ा खरीदने के बाद भुगतान किए बिना ही दुकानबंद कर फरार हो गए। पीड़ित कपड़ा कारोबारी की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अलथाण के सिंघलहिल निवासी सुरेश सुमामल वागवानी कपड़ा कारोबारी है। महाराष्ट्र के उल्लास नगर गजानंद गली गेट नंबर 2 निवासी प्रकाश आस्वानी और उल्लास नगर के 24सी, स्कूल के सामने दुकान नंबर 6 में कपड़ा कारोबारी देवेन्द्र गुप्ता सहित दोनों सुरेश सुमामल वागवानी से मिले। अपने साथ कारोबार करने में मुनाफे का झांसा देकर उधारी में १.65 लाख का कपड़ा खरीदा। दोनों आरोपियों ने उधारी का भुगतान किए बिना ही दुकान बंद कर फरार हो गए। पीड़ित ने सलाबतपुरा थाने में दोनों ठग दुकानदारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

जहरीली दवा पीने से कामरेज के युवक की मौत

संवाददाता, सूरत

कामरेज के लसकाणा चार रास्ता के पास रहने वाले युवक ने किसी कारणों से जहरीली दवा पी ली थी। जिसको इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शामजी रो हाउस नं.9, कामरेज चार रास्ता के निवासी दिनेश छगनभाई गुगल (45वर्ष) शुक्रवार को किसी कारणों से जहरीली दवा पी लिया। इस बात की जानकारी होने पर स्थानीय व परिजनों ने इलाज के लिए जनरल अस्पताल में भर्ती किए थे।

मुठलिया सप्तरंगी एपीएल-2018 क्रिकेट श्रृंखला आज से

के.डी. शाह ग्राउंड भेस्तान में खेला जाएगा मैच

संवाददाता, सूरत। सूरत प्रवासी आबुगोड जैन समाज के तत्वाधान में मुठलिा सप्तरंगी एपीएल-2018 क्रिकेट प्रतियोगिता का ओयजन 31 दिसम्बर को किया जा रहा है। सूरत आबुगोड़ पोरवाल जैन समाज के रणजीत संघवी ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज की और से आयोजित ये 7वें आयोजन है। के.डी शाह ग्राउंड भेस्तान में खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में लियो स्टार, पूनम स्टार, रिगल चैलेंजर्स तथा सारथी स्माशर्स की चार टीमें हिस्सा ले रही है। एपीएल-7 प्रतियोगिता के भव्य आयोजन एसीसीबी के चेयर मैन नरेन्द्र भाई संघवी की उपस्थिति में हो रहा है। जिसमें कमेटी मेम्बर रणजीत संघवी, प्रीतम सी जैन अश्विन माधानी, दिनेश हौंडा, प्रवीण जैन, निशांत जैन, निकुंज संघवी, तथा संदीप संघवी के साथ

आबूगौड़ पोरवाल जैन समाज की और से विशेष सहयोग व सेवा दी जाएगी। एपीएल 2018 का फाइनल मैच 7 जनवरी 2018 को खेला जाएगा। गौरतलब है कि आबुगोड समाज जिसमें राजस्थान के वेलागरी, सिरोडी, सनवाड़ा, कृष्णगंज, मालगांव, पामेरा, गुलाबगंज आदि गांवों के युवा इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे है।

उधना के युवक ने फांसी पर झूल की आत्महत्या

सूरत। उधना के सत्यनगर सोसाइटी में रहने वाले 19 वर्षीय युवक द्वारा किसी कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने से सनसनी मच गई।

उधना पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उधना की सत्यनगर सोसाइटी में रहने वाले पंकज मास्टर के 19 वर्षीय बेटा किशन गत शुक्रवार को किसी कारणों से अपने घर में फांसी पर झूलते हुए गंभीर हालत में मिला। जिसको इलाज के लिए पिता पंकजभाई एपल अस्पताल में ले गए।

बर्तन साफ करने के बहाने दो ठग जेवर ले उड़े

संवाददाता,सूरत। कडोदरा के पूणा पाटिया क्षेत्र में आए दो ठगों ने बर्तन साफ करने के बहाने महिला के पास से दो लाख रुपए के जेवर लेकर फरार हो गए। ठगी गई महिला ने पूणा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूणा की आई माता रोड निजानंद सोसाइटी घर नं. 4 में रहने वाली मुक्ताबेन गोर्धनभाई कानाणी गत रोज घर में अकेली थीं। उसी दौरान मुक्ताबेन के पास दो ठग आए और बर्तन साफ करने की बात कहकर विश्वास में ले लिए। इसके बाद दोनों ठगों में मुक्ताबेन से कहा कि हम गहने भी साफ करते हैं। जिसे मुक्ताबेन ने घर में से चार सोने की चूड़ी वजन 70 ग्राम (कीमत-2 लाख रुपए) लाकर उन ठगों को साफ करने के लिए दे दीं। ठगों ने कहा कि थोड़ा हल्दी भी इसमें डालना है। जब मुक्ताबेन हल्दी लेने के लिए गई तो ठगों ने उनकी नजर छुपाकर चूड़ी अपने पास रख ली। इसके बाद मुक्ताबेन से कहे कि इसको गरम होने के पांच मिनट बाद उतार लीजिएगा और वहां से फरार हो गए। पांच मिनट के बाद मुक्ता ने जब देखा तो उसमें से सोने की चूड़ी गायब थी।

अपने साथ ठगी होने का अहसास होने पर दोनों ठगों के खिलाफ मुक्ताबेन ने पूणा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। पुलिस ठगी का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

संवाददाता, सूरत। शहर के अठवा गेट क्षेत्र में स्थित वनिता विश्राम महिला कॉलेज में शनिवार को साड़ी डे का आयोजन किया गया। जहां छात्राओं ने विविध रंग की साड़ियां धारण कर रैम्प वॉक किया।

मनी ट्रांसफर व्यवसायी की हत्या कर 1.34 लाख की लूटकर भागे बदमाश

संवाददाता, सूरत। सूरत के इच्छापुर विस्तार में मोरागांव सुवाली रोड पर गत रोज देर रात्रि को मनी ट्रांसफर का धंधा करने वाले व्यवसायी को दो बदमाशों ने पत्थर से सिर तथा सीने में प्रहार कर हत्या करने के बाद उसके पास से 1.34 लाख का माल लूटकर फरार हो गए। घटना के संदर्भ में सुनिलकुमार मोलासिंह द्वारा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुवाली गांव मोरा गांव स्टार रो-हाउस प्लॉट नं. 412 तथा मूलत: रोविंदापुर माजागढ़ रोपालगंज बिहार के रहने वाले सुनिल मोलासिंह (34वर्ष) मनी ट्रांसफर का धंधा करते थे। शुक्रवार को रात 11 बजे के लगभग वे धंधा का पैसा बैग में लेकर बाइक पर सवार होकर निकले थे। उसी दौरान मोरागांव सुवाली रोड पर स्टार रेजिडेंसी की ओर जाते समय दो अज्ञात लुटेरे 1,34,500 रुपए से भरी बैग लेकर फरार हो गए। सुनिलकुमार के सिर पर पत्थर मारकर घायल कर दिए। सुनिल को जमीन पर गिरने के बाद लुटेरों ने बड़े पत्थर से सुनिल के शरीर पर कई वार करके मौत के घाट उतारने के बाद

अब पटेलों ने उठाई नितिन पटेल को मुख्यमंत्री बनाये जाने की मांग

मेहसाणा (ईएमएस)। गुजरात के पटेल अब नितिन पटेल को मुख्यमंत्री बनाये जाने की मांग कर रहे हैं। खबर है कि मनमुताबिक पद नहीं मिलने से नितिन पटेल नाराज हैं और यही वजह है कि उन्होंने अभी तक पदभार नहीं संभाला है। भाजपा पटेल को मानाने में जुटी है। उधर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल का समर्थन करते हुए पाटीदार नेता लालजी पटेल ने एक जनवरी को मेहसाना 'बंद' करने का आह्वान किया है । साथ ही उन्होंने गुजरात बंद करने की भी धमकी दी। बताया जा रहा है कि अभी तक नितिन पटेल ने अपना पदभार नहीं संभाला है। इतना ही नहीं, ऐसी खबरें हैं कि नितिन पटेल भाजपा की नई सरकार में उन्हें दिए विभागों को लेकर नाराज हैं। पाटीदार नेता लालजी पटेल ने नितिन पटेल को गुजरात का मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने की सूरत में पूरे राज्य के बंद के आह्वान की धमकी दी। सरदार पटेल समूह के संयोजक लालजी पटेल ने आज उप-मुख्यमंत्री व उनके दर्जनों समर्थकों के साथ गांधीनगर के अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की। लालजी पटेल ने कहा, 'भाजपा बार-बार नितिन-भाई पटेल के साथ अन्याय कर रही है। आज मैंने उनसे और मेहसाना से उनके समर्थकों से मुलाकात की और हमने उनके समर्थन में एक जनवरी को मेहसाना बंद रखने का आह्वान किया।' नितिन पटेल मेहसाना से विधायक हैं जहां पाटीदारों की संख्या काफी है और यह जगह कोटा आंदोलन के केंद्र में भी रही।

10 विधायक लेकर आएं पटेल, बना देंगे कांग्रेस सरकार

गुजरात में भाजपा का संकट : नाराज उप मुख्यमंत्री पटेल को मिला पंजे का साथ

नितिन पटेल ने समर्थकों के साथ की बैठक
हार्दिक पटेल के प्लान पर कांग्रेस ने बढ़ाए कदम

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में भाजपा की सरकार बनने के बाद भी पार्टी में खलबली का माहौल व्याप्त है। उप मुख्यमंत्री बनाये जाने से नाराज नितिन पटेल पर कांग्रेस ने डोरे डाले हैं। कांग्रेस को हार्दिक पटेल ने सरकार बनाने का गणित भी सुझा दिया है। गौर हो कि महत्वपूर्ण विभाग नहीं मिलने से गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल सरकार से नाराज हैं। इस बीच कांग्रेस ने उन्हें खुला ऑफर दिया है। कांग्रसे ने पटेल को प्लान दिया है कि अगर उप मुख्यमंत्री कांग्रेस को समर्थन देते हैं तो कांग्रेस राज्य में सरकार बनाने को तैयार है। विभागों का आवंटन किए जाने के बाद ज्यादातर मंत्रियों ने अपना कार्यभार संभाल लिया है, लेकिन नितिन पटेल ने अब तक अपने ऑफिस नहीं गये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी ने कहा है कि यदि नितिन पटेल 10 विधायकों के साथ कांग्रेस को समर्थन करते हैं तो कांग्रेस राज्य के हित में सरकार बनाने को तैयार हैं। दूसरी ओर नितिन पटेल ने अपने घर पर समर्थकों के साथ बैठकों दौर शुरू कर दिया है। नितिन पटेल के घर के निकट बड़ी संख्या में उनके समर्थकों के जुटने की संभावना व्यक्त की जा रही है और एक विशाल पंडाल भी बनाया गया है। नितिन पटेल से मिलने के लिए एक के बाद एक नेता पहुंच रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व नेता किरीट पटेल ने पटेल के आवास पर पहुंचकर उनके साथ मुलाकात की। किरीट पटेल ने कहा कि नितिन पटेल जैसे वरिष्ठ पाटीदार नेता को उनके कद के अनुरूप स्थान मिलना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करते हैं तो नितिन पटेल अपने पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। क्योंकि नितिन पटेल फिलहाल किसी अन्य नेता की बात सुनने को तैयार नहीं हैं।

नितिन पटेल को पार्टी हाईकमांड का आदेश मानना चाहिए : आनंदीबेन पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने उप मुख्यमंत्री की नाराजगी को लेकर कहा है कि नितिन पटेल को भाजपा हाईकमांड के आदेशों का पालन करना चाहिए। उन्होंने पिछले दो दिनों के घटनाक्रम से अंजान बताया और कहा कि आज सुबह के अखबारों से नितिन पटेल की नाराजगी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि नितिन पटेल को लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है तो इस बारे में उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात करना चाहिए।

नितिन पटेल एक वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें अपनी शिकायत पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से करने का अधिकार है। केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने नितिन पटेल के नाराज होने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि नितिन पटेल भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और वे पार्टी से नाराज नहीं हो सकते।

पिछले दो दिनों के घटनाक्रम से अंजान बताया और कहा कि आज सुबह के अखबारों से नितिन पटेल की नाराजगी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि नितिन पटेल को लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है तो इस बारे में उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात करना चाहिए। भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता मिल बैठकर पार्टी के बारे में फैसला करते हैं। एक स्वर में राज्य के विकास पर चर्चा करते हैं।

डम्पर की चपेट में आए बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक गंभीर

अहमदाबाद (ईएमएस)। खेडा रोड पर डम्पर की चपेट में आए अहमदाबाद के बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के रखियाल क्षेत्र निवासी किशन कनुभाई ठाकोर, अंकित निलेशभाई ठाकोर और केल्सिंग अशोकभाई ठाकोर नामक तीन युवक मोटर साइकिल पर मेहमदाबाद से खेड़ा की ओर जा रहे थे। खेड़ा रोड पर एक डम्पर ने मोटर साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया।

10 विधायकों के साथ भाजपा से इस्तीफा देने की बात गलत : नितिन पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। पिछले दो दिन से उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की नाराजगी को लेकर चल रही अटकलों के बीच आज दिनभर उनके निवास पर पाटीदार समेत भाजपा नेताओं की आवाजाही लगी रही। हार्दिक पटेल और कांग्रेस नेताओं की ओर से मिले प्रस्ताव के बाद आखिरकार नितिन पटेल ने अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि उनकी नाराजगी मनचाहा विभाग मिलने से नहीं बल्कि स्वाभिमान को लेकर है। नितिन पटेल ने कहा कि 10 विधायकों के साथ भाजपा से इस्तीफा देने की खबर पूरी तरह से निराधार है। मैंने भाजपा हाईकमांड के समक्ष पेशकश की है, जिसे लेकर शीर्ष नेतृत्व विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे इस प्रकार साइडट्रेक नहीं किया जा सकता। यह मामला विभागों का नहीं बल्कि स्वाभिमान का है। मैंने अपनी भावना हाईकमांड के समक्ष व्यक्त कर दी हैं। नितिन पटेल ने एसपीजी अध्यक्ष लालजी पटेल के 1 जनवरी को मेहसाणा बंद करने के ऐलान को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि यह पार्टी का अंदरूनी मामला है और इसके लिए किसी प्रकार का बंद का ऐलान उचित नहीं है। मैं पिछले 40 साल से भाजपा के लिए मेहनत कर रहा हूं और मुझे स्वाभिमान प्यारा है।

अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी छठे फ्लावर शो का उदघाटन करते हुए। इस मौके पर अहमदाबाद के महापौर गौतम शाह और भाजपा सांसद किरीट सोलंकी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com